3. GIGW वेबसाईट (*web.guidelines.gov.in*) की एक विशेषता यह भी है कि उस पर ऐसे अत्यंत सरल टूल्स भी उपलब्ध हैं जिनका उपयोग कर विभाग/कार्यालय अपनी वेबसाईट की GIGW Compatibility की ऑनलाईन जॉच कर यह आसानी से पता लगा सकता है कि उनकी वेबसाईट कितने प्रतिशत GIGW Compatible है।

उपरोक्त के परिपेक्ष्य में निर्देशित किया जाता है कि इन गाईड लाईन्स का भली-भांति अध्ययन कर समस्त विभाग एवं उनके अधीनस्थ समस्त शासकीय एजेन्सिों तथा समस्त जिला एवं उनके अधीनस्थ कार्यालयों की वर्तमान शासकीय वेबसाईटस को नि:शक्तजनों के लिए जारी गाईडलाईन्स के अनुरूप परिवर्धित एवं अद्यतन करने की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कर लेवें। जिन विभागों/कार्यालयों द्वारा नई वेबसाईट्स का निर्माण प्रकियाधीन है अथवा निकट भविष्य में किया जाना है तो ऐसे सभी विभाग/कार्यालय अपनी वेबसाईट्स के निर्माण के दौरान इन गाईडलाईन्स का परिपालन सुनिश्चित करें।

यूनीकोड आधारित फॉन्ट्स का उपयोग

सामान्यत: यह देखने में आता है कि विभिन्न विभागों/कार्यालयों द्वारा प्राय: कम्प्यूटर टाइपिंग कार्य हेतु हिन्दी फॉन्ट्स के रूप में DevLys010 अथवा KrutiDev010 या इसी प्रकार के अन्य फॉन्ट्स का उपयोग बड़े पैमाने पर किया जाता है। इन फोन्ट्रस का उपयोग करने के पहले इन्हे कम्प्यूटर पर इन्सटॉल करना जरूरी होता हैं, जिसके कारणवश इन फोन्ट्स के द्वारा निर्मित कम्प्यूटर दस्तावेजों को ईमेल अथवा इन्टरनेट के माध्यम से वृहद स्तर पर संचारित करना संभव नहीं हो पाता है। इसलिये सूचना प्रौयोगिकी के क्षेत्र में ये फॉन्ट्स पढने और लिखने की दृष्टि से न तो वैश्विक स्वीकृति प्राप्त है और न ही सभी के लिए (विशेषकर नि:शक्तों के लिए) Accessible हैं। उक्त को दृष्टिगत रखते हुए सर्वस्वीकार्य भाषायी/लिपिकीय मानक के रूप में "यूनीकोड- फॉन्ट्स" का उपयोग सभी स्तरों पर बढ़ाया जाना चाहिए।

यूनिकोड फॉन्ट्स की विशेषताएं

(1) यूनिकोड स्टेंडर्ड एक 16 - बिट का एनकोडिंग मानक है। जिसका प्रयोग अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुभाषी सॉफ्टवेयर के विकास हेतु किया जाता है।

(2) यूनिकोड मानक एक सार्वभौमिक अक्षर एनकोडिंग मानक है जिसका प्रयोग कम्प्यूटर प्रोसेसिंग के लिए Text के निरूपण में किया जाता है।

(3) यूनिकोड मानक दुनिया की लिखित भाषाओं के लिए प्रयुक्त सभी अक्षरों की एनकोडिंग की क्षमता प्रदान करना है।